जेंडर इंटेंशनल

प्रसवोत्तर परिवार नियोजन
श्रृंखला संस्करण 2.0

इस उच्च प्रभाव दृष्टिकोण का उपयोग क्यों करें?

प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं में वृद्धि से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार होता है

प्रसव देखभाल के दौरान परिवार नियोजन परामर्श देना जन्म के बीच अंतराल और प्रसवोत्तर गर्भनिरोधक विकल्पों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाता है। प्रसवोत्तर परिवार नियोजन महिलाओं और शिशुओं के लिए प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों के जोखिम को कम करता है।

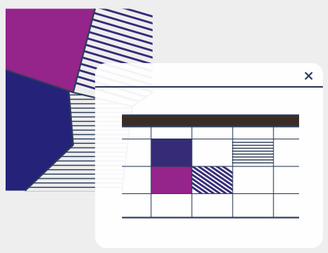

पहला चरण

प्रसवोत्तर परिवार नियोजन की रणनीति विकसित करें

सरकारी और निजी दोनों स्वास्थ्य केंद्रों की पहचान करें जो प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाएँ प्रदान कर सकती हैं, और मौजूदा समस्याओं और अवसरों की पहचान करें। उम्र, बच्चों की संख्या और परिवार नियोजन की विधि के चयन के आधार पर विभाजित प्रसवोत्तर परिवार नियोजन डेटा का विश्लेषण करें ताकि स्थिति को बेहतर ढंग से समझा जा सके। इस विश्लेषण का उपयोग उन महिलाओं तक पहुँचने के लिए करें, जिन्हें प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं की आवश्यकता है।

दूसरा चरण

सेवा वितरण के विभिन्न संपर्क बिंदुओं के साथ प्रसवोत्तर परिवार नियोजन को एकीकृत करें

प्रसवपूर्व देखभाल, प्रसव, डिस्चार्ज से पहले, प्रसवोत्तर देखभाल और टीकाकरण सेवाओं के दौरान परिवार नियोजन विधियों के साथ प्रसवोत्तर परिवार नियोजन पर भी परामर्श दें। प्रसवोत्तर परिवार नियोजन परामर्श के लिए आई.ई.सी सामग्री प्रदान करें। सेवा प्रदाता पुरुषों को गर्भनिरोधक उपयोग के लिए साझा निर्णय लेने और समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

तीसरा चरण

स्वास्थ्य कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें

पर्याप्त संख्या में सेवा प्रदाताओं को प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं पर प्रशिक्षित करें। सुनिश्चित करें कि सेवा प्रदाता जन्म के बाद के समय और मां की स्तनपान स्थिति के आधार पर विधि चयन करने के लिए चिकित्सा दिशानिर्देशों का पालन करें। तकनीकी और गैर-तकनीकी कर्मचारियों के लिए होल-साइट ओरिएंटेशन आयोजित करें, ताकि स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो सके। वस्तुओं, उपकरणों और मानव संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

चौथा चरण

समुदाय को जागरूक करें

सुनिश्चित करें कि आशा कार्यकर्ता समुदाय में ए0एन0सी विजिट, संस्थागत प्रसव, पी0 एन0सी विजिट और प्रसवोत्तर परिवार नियोजन को सक्रिय रूप से बढ़ावा दें। भावी माता-पिता को परिवार नियोजन पर खुलकर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें, साथ ही दंपति के गर्भधारण के बीच अंतराल या परिवार सीमित करने के इरादों पर चर्चा करें। सभी आधुनिक गर्भनिरोधक विधियों और निकटतम स्वास्थ्य केंद्रों की जानकारी प्रदान करें।

टी सी आई इंडिया के इस दृष्टिकोण को वैश्विक उच्च प्रभाव अभ्यास के तहत मैप किया गया है।
अधकि जानकारी के लयि देखें:
https://tciurbanhealth.org/courses/india-services-supply/lessons/india-postpartum-family-planning-services/